#Sadhu 2

1

00:00:02,700 - 00:00:03,633

interviewer:नमस्कार बाबा

2

00:00:03,693 - 00:00:04,313

baba: नमस्कार

3

00:00:05,507 - 00:00:06,860

interviewer: हर हर महादेव

baba: हर हर महादेव

4

00:00:07,253 - 00:00:12,847

interviewer:बाबा छोटा सा एक अपना परिचय दे दीजिये, कि आपका नाम क्या है, क्या करते हैं, ये कौन सी जगह है, हम कहाँ हैं ?

5

00:00:13,660 - 00:00:21,267

baba: आप अभी काशी में बात कर रहे हैं मुझसे, इस जगह को काशी बोलते हैं, और इसे काशी क्यों बोलते हैं ?

6

00:00:21,711 - 00:00:30,684

यहाँ हमारे तीनो लोक के दाता, प्रदाता, जो भी आप बोलते हो, जिस भी ढंग से आप उन्हें मानते हो, जो भी नाम आप दे सकते हो

7

00:00:31,072 - 00:00:36,506

उन्होंने अपना कदम यहाँ रख दिया, इसलिए इसे काशी कहा गया, ये मुक्ति का एक धाम बन गया

8

00:00:37,449 - 00:00:48,996

यहाँ पर बड़े-बड़े राजा लोग आए, अपने देश से, अपने अपने महल बनाए, यहाँ पर कुछ दिन रहे, अपनी मुक्ति के लिए कुछ साधना भी की

9

00:00:49,200 - 00:00:55,959

अच्छी-अच्छी चीज़ें, जो भी उनके समझ में आया, जो पहले का हिसाब किताब था उनका उसके हिसाब से वो चले गए

10

00:00:56,346 - 00:01:05,326

उनकी वजह से आज यहाँ पर ये सादा वातावरण बदला हुआ और पूरी भीडभाड वाला हो गया

11

00:01:06,486 - 00:01:15,500

और कुछ अपनी श्रद्धा से आते हैं, पहले कुछ ऐसे श्रद्धालु थे यहाँ जो जब अपने घरों से निकलते थे उससे पहले कई महीनो से अन्न-जल नहीं लेते थे

12

00:01:16,066 - 00:01:26,346

कोई तो जल भी नहीं पीता था दस दस दिन पंद्रह दिन कि जाएंगे काशी में तो वहीँ अन्न जल लेंगे और जहाँ पर हमारी मुक्ति का भी कुछ काम हो जाएगा

13

00:01:26,518 - 00:01:33,285

और कुछ हमें मिल भी जाएगा, और ये काशी इसलिए है कि जो जन्म हमें मिलता है इंसान का

14

00:01:34,025 - 00:01:45,719

इंसान का जो तन मिला है हमें ये, एक बार यहाँ बुलाकर मौका इसलिए देता है कि अगर आप आकर अपने कुछ कर्मों को कमाना चाहते हो, तो यहाँ आकर कमा लो

15

00:01:46,072 - 00:01:55,778

लें वो कर्म अब कोई कमाता नहीं है

interviewer: क्यों

baba: अब लूगों का कुछ काम ऐअसा हो गया, धन का आराम ऐसा हो गया

16

00:01:55,899 - 00:02:00,099

कि जो पूरा वातावरण है वो पूरा ही अलग ढंग से चलने लगा

17

00:02:00,407 - 00:02:06,154

और पैसे का इतना ज्यादा काम हो गया घर में कि कमाई से भी ज्यादा काम होने लगा

18

00:02:08,310 - 00:02:09,570

समझ रहे हो मेरी बात

19

00:02:11,344 - 00:02:13,650

कि ये वातावरण सब बदल गया है अब

20

00:02:14,169 - 00:02:17,669

interviewer: बाबा एक मिनट कुछ प्रॉब्लम आ रही है

21

00:02:17,898 - 00:02:34,798

interviewer discussing some issues with the camera

22

00:02:34,975 - 00:02:40,488

बाबा इतने सालों में आपने बहुत बड़ा जीवन अपना...

baba: सारा जीवन

23

00:02:40,522 - 00:02:45,635

interviewer: तो एक मिनट, आपने काशी को बदलते हुए देखा है,तो उसके बारे में बताइए कि कैसे बदला है

24

00:02:45,660 - 00:02:55,861

baba: देखिए, काशी एक ऐसी जगह थी जो आप राजा हरिश्चंद्र घाट देख रहे हैं, वो स्वयं भगवान् ही थे

25

00:02:56,282 - 00:03:05,562

वो मृत्युलोक में जब आए, ये जो रामायण, जो भी कथाएँ बनाई गई मृत्युलोक में, ये सब आपको हमें, हम सबको इसी से सीख लेने के लिए बनाया गया

26

00:03:05,762 - 00:03:13,942

बाकी उनको कोई जरूरत नहीं थी, कोई आवश्यकता नहीं थी, वो तीनों काल के मालिक हैं और वो जो भी चाहें स्वयं से कर सकते हैं

27

00:03:15,635 - 00:03:16,328

समझ रहे हैं

28

00:03:16,601 - 00:03:22,028

और इस पूरे विश्व में ऐसे कोई नहीं नहीं गया जैसे हरिश्चंद्र गए

29

00:03:23,388 - 00:03:29,801

अपने तन से गया, ऐसे कोई यहाँ से आज तक गया नहीं

30

00:03:30,398 - 00:03:35,798

आया जरूर था अपना तन लेकर, लेकिन गया नहीं, अपना तन भी यहीं छोड़ गया

31

00:03:36,355 - 00:03:41,181

ये सबसे बड़ी काशी की खासियत है

interviewer: अभी कैसा हो गया काशी

32

00:03:41,528 - 00:03:52,821

अब तो देखिए अगर सरकार न करे तो कुछ हो भी नहीं, आपको अगर कुछ मौज मस्ती नहीं मिलेगी तो आप उस जगह की कदर भी नहीं करेंगे

33

00:03:53,099 - 00:04:05,089

बस उसी चीज़ से पूरा वातावरण बदलने लगा, तो जब साड़ी मौज मस्तियाँ लिमिट में थी तो सब सही था अब लिमिट से ज्यादा होने लगी तो कब्ज़े से बाहर होने लगा

34

00:04:06,809 - 00:04:15,049

और ये तो होना ही है, जो लिमिट वाला काम चलता है फिर वो बिना लिमिट के चलने की तरफ कुछ ज्यादा ही चलने लगता है

35

00:04:15,357 - 00:04:25,257

लेकिन ये सारी चीज़ें उसने बताई हैं, हमने खुद ही बिगाड़ा है हम खुद ही सही करेंगे, सब कुछ स्वयं करेंगे

36

00:04:26,412 - 00:04:30,639

अब यहाँ वो कुछ नहीं करेंगे, हमको आपको ही सारा काम करना है

37

00:04:30,664 - 00:04:35,873

हमारे ही हाथ से आपका पुण्य भी होगा और पाप भी होगा

38

00:04:35,983 - 00:04:44,043

ये धन देखिए जिस वातावरण से आपके घर में धन आता है, उसी वातावरण से आपके परिवार की श्रृष्टि होती है

39

00:04:44,734 - 00:04:46,474

उसी तरह वो भी भागता है

40

00:04:48,547 - 00:04:55,797

आप देख लीजिये चाहे छोटे से चाहे बड़े से, अगर कहीं कम है तो कम की तरफ वाली रफ़्तार में है

41

00:04:55,822 - 00:05:05,862

लेकिन देखा देखि जिस हिसाब से चल रही है, पहले ऐसा नहीं था, पहले लोग ये नहीं देखते थे कि हमारे साइड वाला क्या खा रहा है

42

00:05:06,242 - 00:05:09,436

अगर वो ये चीज़ खा रहा है, तो हमको ये चीज़ चाहिए

43

00:05:09,891 - 00:05:15,224

वो समझ लेता था इसके किस्मत में ये ठीक है, हमारी किस्मत में ये ठीक नहीं है

44

00:05:15,297 - 00:05:21,224

इसलिए हम उको जाने दें, लेकिन अब ऐसा नहीं है, अब वो उसको पाने की कोशिश करता है

45

00:05:21,517 - 00:05:27,157

वो कोशिश भी इतनी नाकाम हो जाती है कि आदमी सब कुछ करने को तैयार हो जाता है

46

00:05:28,257 - 00:05:34,404

बाबा: यही बदलते हुए देखा है

interviewer: क्या बदल गया लोगों में इर्ष्या, जलन ?

47

00:05:34,664 - 00:05:40,905

baba:बस यही देखा देखी चल रही है, वो अगर इतना कर रहा है तो हमको क्यूँ नहीं मिल रहा

48

00:05:43,731 - 00:05:53,431

अब सबको थोडा सा अगर अच्छा कपडा नहीं मिले, अगर आपके साइड वाले ने दस हज़ार की साडी पहनी है उया दस हज़ार की आपने पेंट ली है

49

00:05:53,554 - 00:05:57,601

और आपके दोस्त ने अगर वो नहीं ली है तो उसे थोड़ी सी दिक्कत हो जाएगी

50

00:05:57,941 - 00:06:00,254

चाहे वो आपका कितना भी करीब हो जाए

51

00:06:01,517 - 00:06:03,297

और सबसे बड़ा जो रिश्ता होता है

52

00:06:04,330 - 00:06:10,083

रिश्ता जो साक्षात कृष्ण भगवान् ने अर्जुन को खुद समझाया है

53

00:06:10,557 - 00:06:19,353

बोले की ये जो रिश्ते हैं, मरने के बाद तुम्हारे खुद के रिश्तेदार ही तुम्हें घर से बाहर निकाल देते हैं, दो मिनट का समय भी नहीं लगता

54

00:06:21,560 - 00:06:27,066

दो मिनट भी नहीं लगते और लोग कुछ दिन शोक प्रकट करते थे

55

00:06:28,066 - 00:06:33,286

अब उस शोक की जगह कुछ आदमी नशे को जगह देने लगे, ये बदल गया

56

00:06:35,655 - 00:06:41,268

पहले ऐसा नहीं था, नशे का कुछ जरिया नहीं था, अब नशे का एक एक आदि है

57

00:06:41,842 - 00:06:47,375

आपको जैसे हर घर में दवा की जरूरत है तो हर घर में नशेडी की भी है

58

00:06:49,776 - 00:06:51,376

पहले हर घर में नशेडी नहीं थे

59

00:06:52,562 - 00:06:57,762

अगर एक कोई घर में हो जाता था तो चार घरवाले उसे ताना मारकर सुधार देते थे

60

00:06:58,396 - 00:07:02,083

उसे सही रास्ते पर ला देते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है

61

00:07:02,123 - 00:07:06,963

अब तो अगर हम किसी को सही रास्ता बताएंगे तो हमसे बड़ा कोई गलत आदमी नहीं है

62

00:07:07,243 - 00:07:11,403

interviewer: सही रास्ता क्या है बाबा

63

00:07:11,723 - 00:07:22,228

सही रास्ता जो मैं आपको बोल रहा हूँ, आपको जो भी चीज़ प्रिय है, मैं आपको सब करने के लिए बोलूँगा, और जहाँ रुकावट डालेंगे वो सबसे प्रिय हो जाएगा

64

00:07:23,768 - 00:07:31,928

वही रास्ता बिगड़ रहा है, वो बात आपको समझ में नहीं आ रही है, और आप थोड़े में ही अपना सब कुछ खो रहे हो

65

00:07:34,133 - 00:07:39,553

सबसे बड़ी कर्म की कमाई है, ये तन मिलना कर्म की ही बड़ी कमाई है

66

00:07:40,579 - 00:07:52,386

बड़े कर्मों से मिलता है, ऐसे ही नहीं मिलता क्योंकि आपको जिसने उसने मशीन बनाकर यहाँ बैठाया है, आपने भी इतनी ही बड़ी मशीन बनाई

67

00:07:52,589 - 00:08:02,482

आप जो हैं बादल में भी हवाई जहाज़ उड़ाने लगे, आप आकाशवाणी बनाने लगे, और बताने लगे कि आज भारिश होगी, आज हवा तेज़ चलेगी

68

00:08:02,580 - 00:08:11,800

आप इतनी जानकारी अपनी मशीन से लेने लगे तो वैसे ही आपने जो अपनी मशीन बनाई है

69

00:08:12,169 - 00:08:20,003

आपके अन्दर उसने मशीन बनाई है, जब वो मशीन आपके अन्दर की काम करती है तब ही ये मशीन को आप बना सकते हो

70

00:08:21,427 - 00:08:33,430

ये सही रास्ता होता है, लेकिन आज देखिए, अभी किसी को बोलो वो कहेगा बहुत टेंशन है, अरे टेंशन है तो क्या दारु पीने से ख़त्म हो जाएगी ?

71

00:08:35,198 - 00:08:39,624

क्या सिगरेट पीने से ख़त्म हो जाएगी? टेंशन को हल करना बहुत ज़रूरी है

72

00:08:41,361 - 00:08:50,934

सही वजह से अगर उस टेंशन को सही तरह से हल करना चाहेगा तो हल भी नहीं कर पाएगा क्योंकि संख्या न करनेवालों की ज्यादा है

73

00:08:51,472 - 00:08:56,899

और हल करने वाली संख्या बहुत कम हो गई, बिलकुल थोड़ी सी गिनती के बराबर हो गई

74

00:08:57,665 - 00:09:06,561

इसलिए कहाँ चल पाएगा, कहाँ हम आपको ले पाएंगे, आप नहीं चल पाएंगे, कहना बहुत आसान है पर करना बहुत मुश्किल है

75

00:09:07,301 - 00:09:09,988

interviewer:अब कुछ नहीं बदलेगा सब खराब हो चुका है ?

76

00:09:10,028 - 00:09:18,461

baba: ये सब अपने आप अब कलयुग ने अपना असर दिखाया है, और आप उनके असर में हैं, समझे

77

00:09:18,981 - 00:09:28,881

कलयुग ने अपना असर दिखाया है, कलयुग की वाणी है (someone interrupted from behind and a cross talk is going on in last few seconds)

78

00:09:30,108 - 00:09:35,168

ये कलयुग का असर है और कलयुग अपना असर दिखा रहा है

79

00:09:36,581 - 00:09:37,381

और कुछ नहीं है

80

00:09:40,448 - 00:09:44,454

हमारे से ही पाप है हमारे से ही पुण्य है, सब कुछ हमारे से ही है

81

00:09:45,534 - 00:09:48,344

interviewer: बाबा ये साधु का जीवन कैसा होता है ?

82

00:09:48,371 - 00:09:58,231

baba: साधू का जीवन सबसे बड़ा वही है जो बताया है आपको कि अगर सच्चा भगत है तो उसका इस धरती से कोई वास्ता नहीं होना चाहिए

83

00:09:58,446 - 00:10:10,443

ये नहीं कि आप किसी आश्रम का सहारा ले रहे हो, या किसी और चीज़ का सहारा लेकर आप खा रहे हो और जी रहे हो और अपना हिसाब किताब बनाया है

84

00:10:10,470 - 00:10:11,403

ये कोई बात नहीं है

85

00:10:12,379 - 00:10:24,177

असली भगत वही है उसका कि हर चीज़ उसको रोज़ ढूंढनी पड़ती है, हम यहीं काशी के हैं, हमने ये जो हैं, इतने उखड़वाए हैं इन लोगों से

86

00:10:24,904 - 00:10:30,198

कि हमारे बाल नीचे पैर तक थे लेकिन लोगों ने उखाड़ - उखाड़कर इतने से कर दिए

87

00:10:30,571 - 00:10:40,484

तो कुछ तो रह गए पर कुछ नहीं रहे, ये बाते कहनी नहीं चाहिए, ये हमारी जन्मभूमि है और हमारे देश के साथ-साथ विदेश के आदमी यहाँ आते हैं

88

00:10:40,831 - 00:10:42,544

लेकिन ये ऐसा करते हैं

89

00:10:43,924 - 00:10:50,283

ये सही आदमी को रहने नहीं देते हैं, इनके साथ जब तुम ढंग से रहोगे तब सुखी रह सकोगे

90

00:10:50,497 - 00:10:57,684

अब हमारा तो ये कर्म है, न तुमसे लड़ सकते हैं न कुछ कर सकते हैं, दोनों तरफ से परेशान हैं

91

00:10:58,087 - 00:11:08,877

लेकिन हम परेहान इसलिए हैं कि तुम जानते नहीं हो कि कुछ हमारे जैसे ही हैं जिनकी वजह से

92

00:11:09,551 - 00:11:11,151

इस धरती का विनाश रुका हुआ है

93

00:11:11,451 - 00:11:22,334

अगर हमारे जैसे नहीं होते न तो इस धरती का कब का नास हो गया होता, लेकिन अभी कुछ हैं, बचे हुए हैं, लेकिन न तो उनको आप समझ सकते हो

94

00:11:22,359 - 00:11:33,311

न आपके पास इतना समय है, क्योंकि आपका समय जन्म से बस खाने में लगा है, बस आपकी हवस में लगा है, आप उसी में बस लगे रहोगे और चले जाओगे

95

00:11:33,572 - 00:11:36,858

आपसे कोई मतलब नहीं बस हमको छोडो

96

00:11:37,178 - 00:11:40,985

इसके बाद अब आप समझ जाइए, ख़त्म कर दीजिए, ज्यादा बोलना सही नहीं है

97

00:11:41,058 - 00:11:57,764

interviewer: इसके ऊपर नहीं बात करेंगे किसी और चीज़ के ऊपर बात करेंगे, बाबा काशी के बारे में बताइए कहते हैं कि यहाँ मौत को भी जश्न की तरह मनाया जाता है क्योंकि यह भी भगवान् का ही निर्णय है और आत्मा के बारे में बताइए कि आत्मा कहाँ जाती है ?

98

00:11:57,789 - 00:12:01,599

baba: वही आत्मा, उस आत्मा के लिए ही यहाँ जश्न मनाया जाता है

99

00:12:01,739 - 00:12:12,282

क्योंकि ये ऐसी जगह है, ऐसा स्थान है जहाँ जिसने अपने पैर रख दिए, तो यहाँ उसकी आत्मा को सुकून मिल जाएगा

100

00:12:12,307 - 00:12:22,123

आप ये मिटटी छोड़कर के कहीं और, अपने गाँव में मर गए, अपने देश में मर गए

101

00:12:22,264 - 00:12:30,893

तो आत्मा को उतनी शान्ति नहीं मिलेगी जितनी इस मिटटी से मिलेगी, इसीलिए इस मिट्टी का नाम काशी रखा गया है

102

00:12:31,247 - 00:12:38,994

इसलिए हमारे तुम्हारे कर्मों को सुधारने का एक मौका रखा है उसने इस धरती पर

103

00:12:39,095 - 00:12:42,762

की कर्म को कमाकर फिर हम वापस कुछ बनकर आएं

104

00:12:43,995 - 00:12:45,088

समझ रहे हो

105

00:12:45,975 - 00:12:49,281

interviewer: तो हिन्दू धर्म में काशी की बहुत मान्यता है ?

baba: हाँ, ये है

106

00:12:49,328 - 00:12:56,055

baba: हिन्दू धर्म में जो सबसे बड़ी विशेषता की बात है वो ये है कि कोई धर्म देख लीजिये आप उठाकर

107

00:12:56,102 - 00:13:02,815

इसमें ही है की जिसने एक भी कर्म धर्म से आगे आकर न किया हो, बाकी की तो बात छोड़ ही दीजिये आप

108

00:13:03,108 - 00:13:14,802

बाकी बात तो छोड़ दीजिए, इससे बड़ा क्या है जो स्वयं भगवान् आकर यहाँ रहे और उनके लिए उड़नखटोला आया आकाश से और वो उसमें चले गए

109

00:13:15,189 - 00:13:21,788

ऐसा कोई दूसरा पूरे विश्व में है? इसीलिए ये काशी है | इसीलिए उनकी जन्नत है

110

00:13:21,842 - 00:13:30,715

यहाँ तुम्हारे बहुत से पाप को माफ़ कर दिया जाता है, आप सोचते हैं एक बार गंगा नहाने से कितने पापों से मुक्ति मिल सकती है ?

111

00:13:30,796 - 00:13:41,056

आप जितना अपने मन को स्वच्छ करके नाहा लें, उतने पाप धुल जाएंगे आपके, पर मन स्वच्छ नहीं हो पाता है आपका और पाप साथ ही चले जाते हैं

112

00:13:42,016 - 00:13:46,956

आप अपने मन को स्वच्छ कर लीजिए बस, जय हो